भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1722

30 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान संबंधी राष्ट्रीय मिशन

†1722. श्री मुरसोली एस.:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (एनएमएसकेसीसी) का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर कोई रिपोर्ट प्रकाशित की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (एनएपीसीसी) के हिस्से के रूप में जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (एनएमएसकेसीसी) का कार्यान्वयन और समन्वय कर रहा है। एनएमएसकेसीसी का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन में मानवीय और संस्थागत विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमताओं का वर्धन करना तथा जलवायु परिवर्तन विज्ञान, अनुकूलन और शमन के प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक ज्ञान विकसित करना है।

एनएमएसकेसीसी के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों, परियोजनाओं और विकासात्मक गतिविधियों को सहायित किया गया है, जिनमें प्रमुख रूप से 18 उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना, 28 प्रमुख अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम; सात (7) नेटवर्क कार्यक्रम और सात (7) क्षमता वर्धन कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, राज्यों को भेद्यता और जोखिम मूल्यांकन, मानव क्षमता वर्धन कार्यक्रम, जन जागरूकता कार्यक्रम और संस्थागत क्षमता वर्धन में सहायता हेतु 17 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों अर्थात मध्य प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, हरियाणा, गुजरात, बिहार, गोवा, झारखंड, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में राज्य जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ (एससीसीसी) स्थापित किए गए हैं। ये राज्य जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ राज्य-विशिष्ट अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियाँ भी संचालित करते हैं, जैसा कि

उनकी राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं (एसएपीसीसी) में दर्शाया गया है। हाल ही में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने एनएमएसकेसीसी के अंतर्गत प्रमुख अनुसंधान एवं विकास हेतु एक नया विषयगत क्षेत्र 'शहरी जलवायु अनुसंधान और चरम घटनाएँ' शामिल किया है।

(ख) जी हाँ। विभाग ने 2016 में एनएमएसकेसीसी के अंतर्गत 'भारत में जलवायु परिवर्तन और कृषि' शीर्षक से रिपोर्ट प्रकाशित की है जिसमें भारतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, कृषि में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हेतु भारत सरकार की पहल, इस क्षेत्र में प्रमुख अनुसंधान और अनुकूलन उपायों हेतु अनुशंसाएँ शामिल हैं। यह रिपोर्ट डीएसटी की वेबसाइट (https://dst.gov.in/sites/default/files/Report_DST_CC_Agriculture.pdf) पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

(ग) लागू नहीं।

*****